तांडव करते शिव भडांरी

तांडव करते शिव भडांरी ॥
धरती कांपे अबंर कांपे ॥
कांपे ऋिषटी सारी
तांडव करते.....

दकष परजापती जगन राचाया
सब देवो को उसने बुलाया ॥
महादेव को दिल से भुलाया ॥
भुल कर बैठा भारी
तांडव करते.....

अागे की फिर सुनो कहानी
हठ कर बैठी मात भवानी ॥
शिव भोले की एक ना मानी ॥
जाने की कर ली तयारी
ताडव करते.....

सती ने खुद को कुड मे जलाया
शिव गणो ने उधम मचाया॥
सभा मे सबको मार मुकाया ॥
काटे वारो बारी
ताडव करते.....

तीसरा नेंतर शिव ने खोला
धरती अंबर सब कुछ डोला ॥
बिटटु सितारा मुख से बोला ॥
बखशो बखषन हारी
ताडव करते.....

लेखक-अशवनी सितारा
गायक- विपन शरमा बिटटु
मोबाईल-098154 02742

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2770/title/tandav-karte-shiv-bhandari-dharti-kanpe-ambar-kanpe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |